“शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)” विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता का विस्तृत प्रतिवेदन

13 अगस्त 2026

आयोजक:

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग, पिथौरागढ़

उत्तराखण्ड

"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)" विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता का विस्तृत प्रतिवेदन

संस्था: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग

आयोजक: राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) इकाई

तिथि: 13 अगस्त 2026

स्थान: महाविद्यालय परिसर, बेरीनाग

अध्यक्षता: प्रो. बी. एम. पाण्डेय, प्राचार्य

प्रतिभागी: प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएँ

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग में राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) इकाई के तत्वावधान में दिनांक **13 अगस्त 2026** को **"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)"** विषय पर एक **वाद-विवाद प्रतियोगिता** का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में **तार्किक चिंतन, समसामयिक तकनीकी विषयों के प्रति जागरूकता, प्रभावी अभिव्यक्ति कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण** का विकास करना था।

आज के डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी संदर्भ में विद्यार्थियों को इस विषय के **सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलुओं पर विचार करने का अवसर प्रदान करने हेतु** यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार अत्यंत प्रभावशाली, तार्किक एवं तथ्यपरक ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि वाद-विवाद केवल विचार प्रस्तुत करने का माध्यम नहीं, बल्कि **विषय की गहन समझ विकसित करने, तर्कशक्ति को परिष्कृत करने, संवाद कौशल को सुदृढ़ करने तथा लोकतांत्रिक विचार-विमर्श की भावना को विकसित करने का सशक्त मंच** है।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा में उपयोग, ऑनलाइन शिक्षण, व्यक्तिगत अधिगम (Personalized Learning), डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षण प्रक्रिया की दक्षता, परीक्षा

मूल्यांकन में तकनीकी सहायता तथा भविष्य की शिक्षा प्रणाली में AI की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं विपक्ष के प्रतिभागियों ने विद्यार्थियों की **रचनात्मकता में संभावित कमी, तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता, मानवीय मूल्यों पर प्रभाव, डिजिटल असमानता, गोपनीयता संबंधी चुनौतियाँ तथा शिक्षकों की भूमिका में संभावित परिवर्तन** जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। दोनों पक्षों के तर्कों ने प्रतियोगिता को अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक बना दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम

पक्ष वर्ग

स्थान	नाम	कक्षा
प्रथम स्थान	शुभम भट्ट	**बी० एस सी० III**
द्वितीय स्थान	मुस्कान पांडे	**बी० एस सी० V**
तृतीय स्थान	अंकिता बोरा	**बी० एस सी० III**

विपक्ष वर्ग

स्थान	नाम	कक्षा
प्रथम स्थान	हिमानी मनराल	**बी० एस सी० V**
द्वितीय स्थान	अंशु	**बी० एस सी० III**
तृतीय स्थान	नेहा बोरा	**बी० एस सी० V**

इसके अतिरिक्त **ओम प्रकाश जोशी** एवं **भावना** ने भी प्रतियोगिता में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। सभी प्रतिभागियों ने विषय की गहन समझ, आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति तथा उत्कृष्ट अभिव्यक्ति क्षमता का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन महाविद्यालय के अनुभवी एवं विद्वान **निर्णायक मंडल** द्वारा अत्यंत निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से किया गया। निर्णायक मंडल में **डॉ. लक्ष्मण, डॉ. विनिता, डॉ. रेनू एवं डॉ. कल्पना** सम्मिलित रहे। सभी निर्णायकों ने प्रतियोगिता के प्रत्येक प्रतिभागी की प्रस्तुति को गंभीरतापूर्वक एवं ध्यानपूर्वक सुना तथा उनके विचारों, तर्कों और प्रस्तुतीकरण शैली का सूक्ष्म अवलोकन किया।

मूल्यांकन के दौरान प्रतिभागियों की **विषय के प्रति समझ, उसके विभिन्न आयामों की व्याख्या करने की क्षमता, प्रस्तुत किए गए तर्कों की तार्किकता एवं तथ्यपरकता, भाषा की शुद्धता, विचारों की स्पष्टता, अभिव्यक्ति कौशल, वाक्पटुता, आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति तथा निर्धारित समय का प्रभावी उपयोग** जैसे

महत्वपूर्ण पक्षों को ध्यान में रखा गया। निर्णायकों ने विशेष रूप से इस बात पर ध्यान दिया कि प्रतिभागी **"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)"** जैसे समसामयिक एवं तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण विषय को कितनी गहराई से समझते हैं और उसे संतुलित एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने में कितने सक्षम हैं।

प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत विचारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते उपयोग, शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की संभावनाओं, ऑनलाइन शिक्षा, व्यक्तिगत अधिगम, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता तथा मूल्यांकन प्रणाली में तकनीकी सहयोग जैसे सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता, रचनात्मकता में संभावित कमी, मानवीय मूल्यों पर प्रभाव, डिजिटल असमानता एवं गोपनीयता संबंधी चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को भी गंभीरता से उठाया गया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इन विविध दृष्टिकोणों की सराहना की और इसे उनकी व्यापक सोच एवं अध्ययनशीलता का परिचायक बताया।

निर्णायक मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि **"AI in Education"** जैसे समसामयिक विषयों पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में **वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक चिंतन, विश्लेषणात्मक क्षमता, तकनीकी जागरूकता तथा संतुलित निर्णय लेने की योग्यता** विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तक आधारित ज्ञान तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि उन्हें बदलते वैश्विक परिदृश्य, आधुनिक तकनीकी विकास तथा शिक्षा व्यवस्था में हो रहे नवाचारों को समझने और उन पर स्वतंत्र एवं तर्कसंगत विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती हैं।

अंत में निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों की तैयारी, उत्साह एवं आत्मविश्वास की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी इस प्रकार की **बौद्धिक, शैक्षिक एवं व्यक्तित्व-विकास संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता** के लिए प्रेरित किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित इस ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक कार्यक्रम की सराहना की।

कार्यक्रम का **मंच संचालन डॉ. रश्मि सेलवाल** द्वारा अत्यंत प्रभावशाली, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक ढंग से किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के प्रारंभ से लेकर समापन तक सभी गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए कार्यक्रम को अनुशासित एवं व्यवस्थित बनाए रखा। उनके स्पष्ट उच्चारण, प्रभावी अभिव्यक्ति एवं आत्मविश्वासपूर्ण संचालन शैली ने कार्यक्रम को अधिक रोचक एवं जीवंत बना दिया।

डॉ. रश्मि सेलवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रत्येक चरण की जानकारी क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत की तथा प्रतियोगिता के विभिन्न दौरों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाया। उन्होंने प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल एवं उपस्थित विद्यार्थियों के मध्य सकारात्मक संवाद स्थापित करते हुए पूरे कार्यक्रम में उत्साह एवं ऊर्जा का वातावरण बनाए रखा। उनके कुशल संचालन के कारण सभी प्रतिभागियों को अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का समान एवं अनुकूल अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान विषय **"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)"** की समसामयिक महत्ता पर भी संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला, जिससे उपस्थित विद्यार्थियों की विषय के प्रति रुचि और अधिक बढ़ी। उनकी संयमित, संतुलित एवं प्रेरणादायक संचालन शैली ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा प्रतियोगिता को सफल एवं प्रभावशाली बनाने में उनकी भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

कार्यक्रम के सफल संचालन में **तकनीकी टीम** की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। **डॉ. महेश विश्वकर्मा** ने ध्वनि व्यवस्था एवं अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया, जिसके परिणामस्वरूप प्रतियोगिता बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो सकी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. बी. एम. पांडेय** ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि **कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि है, जिसका शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक प्रभाव दिखाई दे रहा है।** उन्होंने कहा कि AI शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं विद्यार्थी-केंद्रित बना सकती है, किन्तु इसका उपयोग **मानवीय मूल्यों, नैतिकता एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ संतुलित रूप में किया जाना आवश्यक है।** उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक रहने तथा उनका रचनात्मक एवं जिम्मेदार उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर **राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमेश टम्टा** द्वारा औपचारिक रूप से **धन्यवाद ज्ञापन** प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी व्यक्तियों एवं विभागों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. बी. एम. पांडेय** के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रतियोगिता के निष्पक्ष एवं सारगर्भित मूल्यांकन हेतु **निर्णायक मंडल** के सभी सदस्यों—**डॉ. लक्ष्मण, डॉ. विनिता, डॉ. रेनू एवं डॉ. कल्पना**—के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए **डॉ. रश्मि सेलवाल** के प्रभावशाली मंच संचालन तथा **डॉ. महेश विश्वकर्मा** द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी सहयोग की विशेष सराहना की। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, सहयोगी कर्मचारियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सक्रिय सहयोग एवं समन्वय के बिना इस प्रकार के कार्यक्रमों का सफल आयोजन संभव नहीं हो सकता।

डॉ. प्रमेश टम्टा ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने **"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)"** जैसे समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विषय पर अत्यंत गंभीरता, तैयारी एवं आत्मविश्वास के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए, जो उनकी बौद्धिक जागरूकता एवं अध्ययनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी राष्ट्रीय सेवा योजना की शैक्षिक, सामाजिक एवं व्यक्तित्व-विकास संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

अपने धन्यवाद ज्ञापन के अंत में उन्होंने पुनः सभी उपस्थित अतिथियों, निर्णायकों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि **सभी के सहयोग, समन्वय, उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के कारण ही यह वाद-विवाद प्रतियोगिता सफलतापूर्वक एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकी।**

अंततः राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित **"शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI in Education)" विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता** का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में **स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, तार्किक चिंतन, तकनीकी जागरूकता, विचारों की स्वतंत्र एवं प्रभावी अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता** के विकास की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विषय पर गहन चिंतन करने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने तथा अपने विचारों को तथ्यपरक एवं तर्कसंगत रूप से प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। इस प्रकार यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के **समग्र व्यक्तित्व विकास, बौद्धिक उन्नयन एवं आधुनिक तकनीकी परिवर्तनों के प्रति जागरूकता** बढ़ाने में महत्वपूर्ण रूप से सफल रहा

परिशिष्ट–I : पोस्टर निर्माण एवं प्रचार-प्रसार

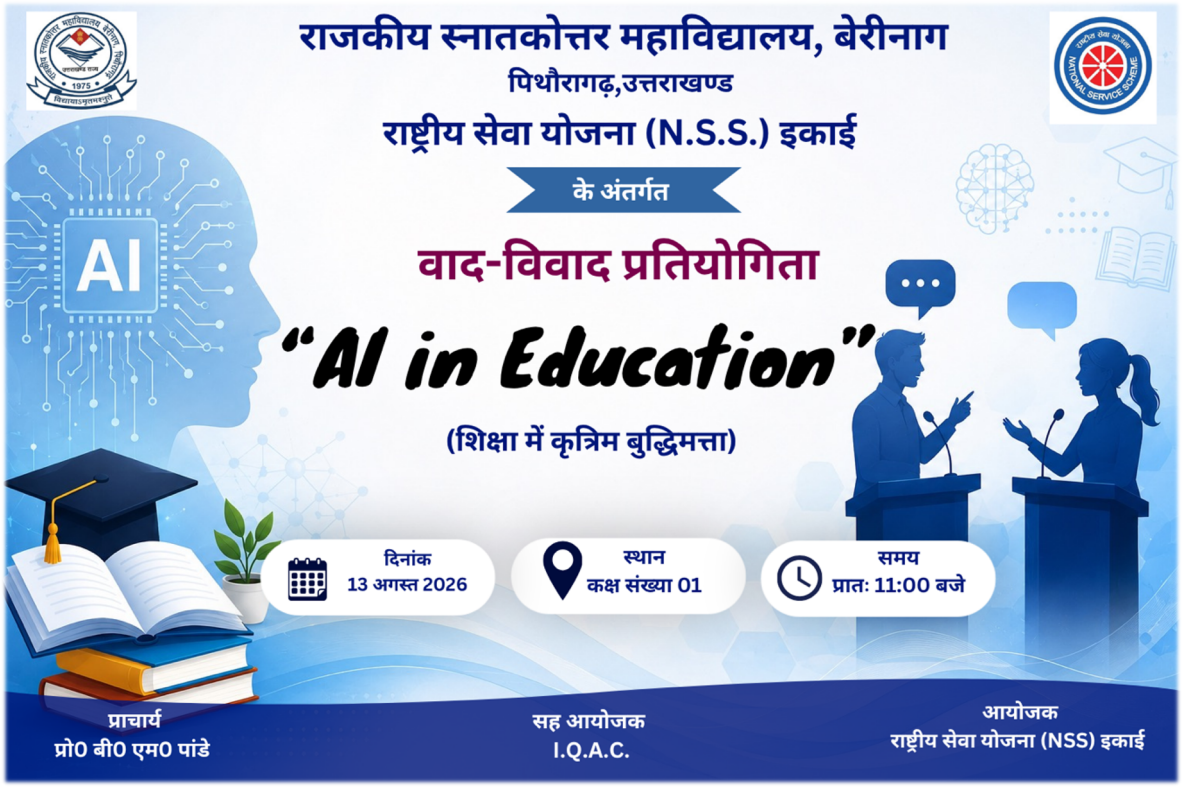

परिशिष्ट–II : कार्यक्रम के छायाचित्र

प्रो०बी०एम०पाण्डेय
प्राचार्य
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग

डॉ. प्रमेश टम्टा
कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेरीनाग